राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, उत्तराखंड

शैक्षणिक सत्र : 2024–25

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

वार्षिक वार्षिक आख्या (2024–2025)

एक दिवसीय एवं विशेष शिविरों की संयुक्त रिपोर्ट

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत, अल्मोड़ा

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) – वार्षिक वार्षिक आख्या (2024–2025)

एक दिवसीय एवं विशेष शिविरों की संयुक्त रिपोर्ट

संस्थान का नाम: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत ,अल्मोड़ा

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा सत्र 2024–25 में समाज सेवा, नैतिक जागरूकता, और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना में स्वयंसेवकों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही, जिसमें विशेष रूप से छात्राओं की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से अधिक रही।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित *पाँच एक-दिवसीय शिविरों* का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है, जिनमें प्रत्येक शिविर को एक विशिष्ट सामाजिक विषय से जोड़ा गया और विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

1. मतदाता जागरूकता अभियान – 8 अप्रैल 2024

मुख्य विषय: वृक्षारोपण□
290 NSS स्वयंसेवकों (240 छात्राएँ एवं 50 छात्र) की सहभागिता से यह अभियान संपन्न हुआ।
रैली एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आमजन को मतदान के अधिकार एवं उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक किया गया।
इसके उपरांत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। पौधों के साथ तख्तियाँ लगाकर विद्यार्थियों ने "हरित भविष्य" का संदेश दिया।

2. नशा मुक्ति भारत अभियान – 12 अगस्त 2024

मुख्य विषय: जनजागरूकता रैली (Awareness Rally)
इस शिविर में 250 स्वयंसेवकों (150 छात्राएँ, 100 छात्र) ने भाग लिया।
विशेषज्ञों द्वारा नशे के दुष्परिणामों पर व्याख्यान के साथ-साथ छात्र-छात्राओं ने जनजागरूकता रैली में "नशा मुक्त भारत" का संदेश फैलाया।
बैनर, पोस्टर और नारों के माध्यम से युवाओं को सही दिशा में प्रेरित किया गया।

3. राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस – 27 अगस्त 2024

मुख्य विषय: रक्तदान जागरूकता (Blood Donation Awareness)
175 स्वयंसेवकों (100 छात्र एवं 75 छात्राएँ) की उपस्थिति में स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना के आदर्शों पर परिचर्चा हुई।
इसके अतिरिक्त रक्तदान पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया जिसमें रक्तदान की आवश्यकता, प्रक्रिया और मिथकों पर चर्चा की गई।
अनेक छात्रों ने भविष्य में रक्तदान का संकल्प लिया।

4. उत्तराखंड स्थापना दिवस – 9 नवम्बर 2024

मुख्य विषय: स्वच्छ भारत – स्वच्छ महाविद्यालय अभियान
187 स्वयंसेवकों (102 छात्राएँ और 85 छात्र) ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को सम्मानपूर्वक मनाया।
कार्यक्रम में लोकगीत, भाषण व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ महाविद्यालय परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान भी चलाया गया।
छात्रों ने 'स्वच्छता ही सेवा है' के मूल मंत्र को अपनाया।साथ ही स्वयं सेवको ने भाषण,काव्य पाठ आदि के माध्यम से अपनी प्रतिभाओं का परिचय दिया।

5. अटल बिहारी वाजपेयी जन्म (25 दिसम्बर) शताब्दी समारोह – 23 एवं 24 दिसम्बर 2024

मुख्य विषय: व्यक्तित्व विकास कार्यशाला (Personality Development Workshop) □
इस अवसर पर 175 स्वयंसेवकों (105 छात्राएँ, 70 छात्र) ने भाग लिया।
अटल जी की जीवन-यात्रा, कविता-पाठ और विचारों पर आधारित सत्रों के साथ-साथ एक *व्यक्तित्व विकास कार्यशाला* (ऑनलाइन) का आयोजन भी हुआ।
स्वयंसेवकों ने आत्म-विश्लेषण, वक्तृत्व कला, नेतृत्व कौशल, और टीमवर्क जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया

महाविद्यालय में वाजपेई जी के जीवन संघर्षों को किया याद

सत्र 2024–25 के दौरान आयोजित इन पाँच एक-दिवसीय शिविरों ने राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को सेवा, दायित्व और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से परिपूर्ण किया। प्रति शिविर में एक विशिष्ट सामाजिक विषय जोड़ा गया जिसने विद्यार्थियों के अनुभव को और समृद्ध बनाया। छात्राओं की भागीदारी विशेष रूप से अधिक और उत्साहवर्धक रही, जिसने महिला सशक्तिकरण का भी संदेश दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (सात दिवसीय विशेष शिविर

:**17/02/2025** से **23/02/2025** तक) **सत्र** 2024-25

प्रथम दिवस में उत्साहपूर्ण शुभारंभ

बनोल्या कालिका (बनोल्या प्राथमिक विद्यालय), 17 फरवरी 2025: राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) का सात दिवसीय विशेष शिविर बनोलिया कालिका स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। यह शिविर 17 फरवरी से 23 फरवरी तक चला, जिसमें 50 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर का नेतृत्व कैम्प कमांडर एन.एस.एस. वॉलंटियर हर्षित कुमार ने किया, जबकि सम्पूर्ण शिविर का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्य मित्रा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेखा भट्ट और डॉ. बबीता कांडपाल द्वारा किया गया। शिविर में 35+ छात्राएँ एवं 30+ छात्र शामिल हुए।

शुभारंभ समारोह

साफ-सफाई और सामान व्यवस्थित करने के बाद, शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया गया। शुभारंभ के अवसर पर सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन किया गया। इसके बाद, राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाकर स्वयंसेवकों ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

खेल-कूद एवं भजन संध्या

शाम के समय, सभी स्वयंसेवकों को हल्के नाश्ते एवं चाय दी गई। इसके बाद, खेल-कूद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन जैसे खेल खेले गए। इस दौरान, स्वयंसेवकों ने आपसी समन्वय और टीम वर्क की भावना को मजबूत किया।

रात्रि भोजन एवं प्रबंधन समिति का गठन

रात 8 बजे सभी स्वयंसेवकों ने एक साथ भोजन किया। पहले दिन 10 छात्रों की ड्यूटी भोजन प्रबंधन के लिए लगाई गई। इसके अलावा, कैम्प कमांडर हर्षित कुमार के नेतृत्व में, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों की सहमति से अगले 6 दिनों के लिए भोजन प्रबंधन की अलग-अलग टीमें गठित की गई। इससे प्रत्येक स्वयंसेवक को शिविर संचालन की जिम्मेदारी एवं अनुशासन का अनुभव प्राप्त हुआ।

पहले दिन का सारांश

शिविर के पहले दिन, सभी स्वयंसेवकों में अद्भुत जोश और ऊर्जा देखने को मिली। सभी ने टीम वर्क, अनुशासन और सेवा भावना का प्रदर्शन किया। शिविर के पहले दिन की गतिविधियाँ एक सफल शुरुआत का संकेत थीं और आने वाले दिनों में और भी प्रेरणादायक कार्यों की उम्मीद जगाई।

एनएसएस शिविर: दूसरे दिन स्वच्छता अभियान एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बनोलिया, 18 फरवरी 2025: सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने रानीखेत के कालीका मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व कैम्प कमांडर हर्षित कुमार ने किया, जिन्होंने शिविर की सभी गतिविधियों को वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्य मित्र, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेखा भट्ट एवं डॉ. बबीता कांडपाल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संचालित किया।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर की सफाई की, पॉलिथीन एवं अन्य कचरे को एकत्रित कर नष्ट किया। इस दौरान कैम्प कमांडर हर्षित कुमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए स्वच्छता के महत्व एवं इसकी अनिवार्यता पर प्रकाश डाला।

स्वच्छता अभियान के उपरांत मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिससे भक्तिमय वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने की शपथ ली।

इस संपूर्ण अभियान की महत्वपूर्ण गतिविधियों को एनएसएस वॉलंटियर एवं शिविर के कैमरामैन कृष्णा (के.सी.) ने अपने कैमरे में कैद किया।

<u>नशा मुक्ति अभियान एवं बौद्धिक सत्र का आयोजन</u>

दोपहर के सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नशा मुक्ति प्रकोष्ठ, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम सभा बनोलिया में "नशा निषेध" विषय पर एक बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की संपूर्ण योजना एवं संचालन कैम्प कमांडर हर्षित कुमार के निर्देशन में किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन सुचेतना समाज सेवा संस्था द्वारा किया गया, जिसमें एनएसएस के स्वयंसेवकों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता फैलाने हेतु जनसंचार किया।

इस अवसर पर सुचेतना संस्था की समन्वयक सिस्टर लिट्टी रोज ने नशे की सामाजिक एवं आर्थिक हानियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा युवा पीढ़ी के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

संस्था की सुपरवाइजर दीपा आर्या ने युवाओं को खेलों से जुड़ने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि खेलों को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर युवा नशे जैसी बुरी आदतों से बच सकते हैं।

बौद्धिक सत्र के दूसरे वक्ता डॉ. आशुतोष पंत, जिन्हें "वृक्ष मित्र" के नाम से भी जाना जाता है, ने वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जागरूक करने का कार्य किया।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के संपूर्ण प्रबंधन की जिम्मेदारी कैम्प कमांडर हर्षित कुमार के नेतृत्व में एनएसएस स्वयंसेवकों ने बखूबी निभाई। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सत्य मित्र सिंह ने मुख्य वक्ताओं सिस्टर लिट्टी रोज, दीपा आर्या एवं डॉ. आशुतोष पंत को स्मृति चिह्न प्रदान कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेखा भट्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. पी. एन. तिवारी, महाविद्यालय नशा मुक्ति प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. पारुल भारद्वाज, डॉ. बी. के. जोशी, डॉ. धीरज सिंह खाती, डॉ. नीमा बोरा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बबीता कांडपाल एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

द्वितीय दिवस

दूसरा दिन स्वच्छता, आध्यात्मिकता एवं सामाजिक जागरूकता का अनूठा संगम साबित हुआ। स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर की सफाई कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एवं नशा मुक्ति अभियान के माध्यम से समाज को जागरूक किया। बौद्धिक सत्र में स्वयंसेवकों को समाज की जागरूक इकाई बनाने हेतु व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस दिन की सभी गतिविधियों को कैम्प कमांडर हर्षित कुमार के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

एनएसएस शिविर: तीसरे दिन एनएसएस छात्रों ने बनोलिया गांव में किया नशा मुक्ति और स्वच्छता जागरूकता अभियान

बनोलिया, 19 फरवरी 2025: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत के एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने ग्राम बनोलिया में नशा मुक्ति एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्य मित्र, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेखा भट्ट एवं डॉ. बबीता कांडपाल के मार्गदर्शन में पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

नशा मुक्ति अभियान के तहत एनएसएस स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा

न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है, बल्कि उसके परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। ग्रामीणों को नशे से दूर रहने एवं एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके साथ ही स्वयंसेवकों ने गांव में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया। पूरे गांव में सफाई कर प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट को इकट्ठा कर उपयुक्त तरीके से उसका निस्तारण किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व समझाते हुए नियमित सफाई बनाए रखने का संकल्प दिलाया।

इसके अतिरिक्त, एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांव के छोटे बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उन्हें पढ़ाने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करने का कार्य किया। स्वयंसेवकों ने बच्चों को स्वच्छता, अनुशासन और शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया।

गांव में दिखा सकारात्मक बदलाव

इस सराहनीय पहल का गांववासियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि इस तरह के जागरूकता अभियानों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

तृतीय दिवस

एनएसएस स्वयंसेवकों जागरूकता हेतु चयनित द्वितीय गाँव में नशा मुक्ति एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों में सामाजिक जागरूकता बढ़ाई। नुक्कड़ नाटक एवं सफाई अभियान के माध्यम से उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्वच्छता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया।

एनएसएस शिविर के चौथे दिन स्वच्छता एवं पलायन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बनोलिया, 20 फरवरी 2025: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत के सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) शिविर के चौथे दिन स्वयंसेवकों ने बनोलिया में स्वच्छता एवं पलायन जागरूकता अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत बनोलिया प्राथमिक विद्यालय से घिन्घारीखाल तक एक भव्य स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैली से की गई। स्वयंसेवकों ने झाड़ू लगाकर, कूड़ा-कचरा एकत्रित कर तथा ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व समझाकर स्वच्छ भारत अभियान को साकार करने हेतु एक महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रैली के दौरान "स्वच्छ बनो, स्वस्थ रहो", "स्वच्छता अपनाओ, बीमारियों को दूर भगाओ" जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए गए। ग्रामीणों को घर के आसपास सफाई रखने, प्लास्टिक के कम से कम उपयोग, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा नियमित सफाई करने के प्रति जागरूक किया गया।

पलायन पर नुक्कड़ नाटक

स्वच्छता अभियान के उपरांत, एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांव में पलायन की समस्या पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं की कमी के कारण लोग शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं, जिससे गांवों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।नाटक के माध्यम से यह भी दिखाया गया कि यदि गांवों में उचित संसाधन उपलब्ध कराए जाएं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं, तो पलायन को रोका जा सकता है। ग्रामीणों ने स्वयंसेवकों के इस प्रयास की सराहना की और गांव के विकास में सहयोग करने का संकल्प लिया।

स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जागरूकता संगोष्ठी

इसी दिन राजकीय महाविद्यालय, रानीखेत में एक विशेष बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य, एनएसएस के मूल्यों, स्वच्छता और नशा मुक्ति पर विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर डॉ. बी.के. जोशी, डॉ. बी.बी. भट्ट, डॉ. महिराज मेहरा, डॉ. निधि पांडेय और प्राचार्य प्रो. पुष्पेश पांडेय ने अपने विचार साझा किए और स्वच्छता, सामाजिक सेवा और नशा मुक्ति के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम में रानीखेत थाना प्रभारी एसएचओ अशोक सिंह धनगढ़ को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। उन्हें बैज अलंकरण कर सम्मानित किया गया, जिसके पश्चात उन्होंने साइबर अपराध, स्वच्छता एवं नशा मुक्ति पर छात्रों के साथ संवाद किया। इसके अलावा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) गोविंद सिंह मेहरा ने भी छात्रों से संवाद कर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस दौरान मुफ्त दवा वितरण भी किया गया और छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए।

चतुर्थ दिवस का सारांश

एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्वच्छता जागरूकता अभियान एवं रैली निकालकर ग्रामीणों को सफाई के महत्व से अवगत कराया।पलायन की समस्या पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन कर ग्रामीणों को जागरूक किया।रानीखेत महाविद्यालय में स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई।साइबर अपराध, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नशा मुक्ति पर विशेषज्ञों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने स्वच्छता और पलायन रोकने के लिए उठाया कदम

बनोलिया, 21 फरवरी 2025: सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवकों ने स्वच्छता एवं पलायन रोकथाम को लेकर महत्वपूर्ण अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व कैम्प कमांडर हर्षित कुमार ने किया, जिन्होंने वरिष्ठ कार्यक्रम

अधिकारी डॉ. सत्यमित्र, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेखा भट्ट एवं डॉ. बबीता कांडपाल के मार्गदर्शन में शिविर की सभी गतिविधियों का सफल प्रबंधन किया।

योग एवं स्वच्छता अभियान से दिन की शुरुआत

स्वयंसेवकों ने दिन की शुरुआत योग एवं स्वच्छता कार्यों से की, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया। इसके पश्चात, बनोलिया प्राथमिक विद्यालय से बुबूधाम होते हुए ग्राम दधगलिया और नैनीगांव तक एक भव्य स्वच्छता रैली निकाली गई। इस रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों से संवाद कर पलायन की समस्या पर चर्चा की एवं इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया।

पलायन रोकथाम पर जागरूकता अभियान

स्वयंसेवकों ने प्रधानमंत्री योजनाओं की जानकारी देकर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने और पलायन रोकने हेतु जागरूक किया। इस दौरान, ग्राम दधगलिया के आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया गया, जहां स्वयंसेवकों ने बच्चों की स्थिति का जायजा लिया और आंगनवाड़ी गतिविधियों को समझा।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता

ग्राम नैनी क्षेत्र में स्वयंसेवकों ने पलायन की समस्या पर आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया। स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पलायन की समस्या और उसके समाधान पर जागरूकता फैलाई।

ग्राम दधगलिया एवं नैनीगांव में ग्रामीणों से संवाद कर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम की सभी गतिविधियों को वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सत्य मित्र, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेखा भट्ट एवं डॉ. बबीता कांडपाल के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

पांचवें दिन का सारांश

एनएसएस स्वयंसेवकों ने योग, स्वच्छता अभियान और जागरूकता रैली के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता एवं पलायन रोकथाम के प्रति जागरूक किया।नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गांव में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों से संवाद कर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनके लाभ लेने के तरीके बताए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

बनोलिया, 22 फरवरी 2025: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत (अल्मोड़ा) में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) शिविर के छठे दिन शिविरार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया।

स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता अभियान से हुई दिन की शुरुआत

शिविर के छठे दिन की शुरुआत योग और प्रार्थना से हुई, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने ग्राम बनोलिया एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत

स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर, विद्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई की और ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प दिलवाया।

इसके पश्चात, शिक्षा जागरूकता अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने विद्यालयों में जाकर छोटे बच्चों को शिक्षित करने, उन्हें बुनियादी विषयों की जानकारी देने और पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने का कार्य किया।

<u>नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक संदेश</u>

शिविर के दौरान सामाजिक कुरीतियों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति एवं महिला सशक्तिकरण पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इन नाटकों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समाज में नशे जैसी बुराइयों को जड़ से समाप्त करने के लिए युवाओं को जागरूक होना होगा। वहीं, महिला सशक्तिकरण से संबंधित नाटक में लड़कियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और उनके अधिकारों पर बल दिया गया।

<u>सांस्कृतिक संध्या: उत्सव का माहौल</u>

शाम को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने लोकगीत, नृत्य, नाटक एवं काव्य पाठ प्रस्तुत किए। पहाड़ी संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए स्थानीय लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसे ग्रामीणों और अतिथियों ने खूब सराहा।

- लोकगीत एवं पारंपरिक नृत्य – स्वयंसेवकों ने उत्तराखंड की लोकसंस्कृति को जीवंत किया।
- देशभक्ति गीत एवं नृत्य – देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।
- नशा मुक्ति पर प्रेरणादायक नाटक – समाज में नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।
- कवि सम्मेलन – स्वयंसेवकों ने प्रेरणादायक कविताओं का पाठ किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सत्यमित्र सिंह ने कहा कि एनएसएस शिविर केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों को नेतृत्व कौशल, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी सिखाने का भी एक मंच है। डॉ. रेखा भट्ट एवं डॉ. बबीता कांडपाल ने भी स्वयंसेवकों के समर्पण की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सांस्कृतिक संध्या का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें समस्त कार्यक्रम अधिकारियों, अतिथियों एवं स्वयंसेवकों ने भाग लिया।। शाम को एक विशेष **कैंप फायर** का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने अपने गीतों और नृत्य के साथ शिविर के अंतिम रात को जश्न मनाया। इस अवसर पर सभी ने एकजुट होकर शिविर के अंतिम दिन का आनंद लिया और अपने अनुभवों को साझा किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय विशेष शिविर का भव्य समापन 23/02/2025

रानीखेत, 23 फरवरी 2025: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत (अल्मोड़ा) में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) द्वारा आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर (17-23 फरवरी) का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण जागरूकता, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, ग्राम सेवा, शिक्षण सहायता तथा अन्य कार्यशालाएं शामिल थीं।

शिविर के अंतिम दिन समापन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों ने लोकगीत, नृत्य, नाटक और भाषण प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पुरस्कार वितरण और विशेष सम्मान

समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरण किया गया:

1. **सर्वश्रेष्ठ टीम पुरस्कार**

   शिविर के सात दिनों के कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से व्यवस्थित करने वाली टीम को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस टीम में शामिल थे:

   कमल कुमार, सचिन, मनोज, विमल, रजत भंडारी, रणवीर राम, रिंकू सिंह, दिवास पंत, सुमित कुमार, कृष्णा, हर्षित कुमार, रोहित पंत, अजय मावरी, विवेक पंत, पराश अधिकारी।

2. **सर्वश्रेष्ठ खानपान प्रबंधन टीम**

आर्ती बिष्ट के नेतृत्व में दूसरे दिन की खानपान प्रबंधन टीम को पुरस्कार मिला, जिन्होंने शिविर में खाने की व्यवस्थाओं को बेहतरीन तरीके से संचालित किया।

3. **<u>सर्वश्रेष्ठ हेल्पिंग टीम</u>**

शिविर के सात दिनों में मदद करने वाली टीम को सम्मानित किया गया। इसमें श्री मनोज और श्री चंदन (जो पिछले 20 सालों से एनएसएस विभाग में योगदान दे रहे हैं) शामिल रहे। चंदन को उनके 20 वर्षों के उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

पारस अधिकारी को उनके शिष्टता और कर्मठता के लिए सर्वश्रेष्ठ कर्तव्यनिष्ठ छात्र के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने हर कार्य में निपुणता दिखाई और कैम्प कमांडर के साथ मिलकर शिविर के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।

4.सर्वश्रेष्ठ एनएसएस स्वयंसेवी (छात्र एवं छात्रा)

शिविर के आयोजन में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक छात्र एवं छात्रा के रूप में हर्षित कुमार और मानसी फर्त्याल का नाम चुना गया, जिन्होंने शिविर के समग्र आयोजन का जिम्मा संभाला, साथ ही कार्यक्रम के हर दिन के निर्धारित समय और कार्यों का उचित प्रबंधन किया।

समारोह के समापन में अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल लोकगीत, नृत्य, नाटक और भाषण के बाद सभी ने राष्ट्रगान गाया।

शिविर के समापन पर डॉ. सत्यमित्र सिंह ने सभी अतिथियों और स्वयंसेवकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में समाज सेवा के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिविर का समापन

समारोह का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ और सभी स्वयंसेवकों, छात्रों, और शिक्षकों ने अपने कर्तव्यों को दोहराते हुए घर के लिए प्रस्थान किया।

शिविर ने सभी को समाज सेवा की भावना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

यह सात दिवसीय एनएसएस शिविर विद्यार्थियों के लिए एक अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव रहा। **शिविर कमांडर हर्षित कुमार** और कार्यक्रम अधिकारियों **डॉ. सत्यमित्र**, **डॉ. रेखा भट्ट** और **बबीता कांडपाल** के मार्गदर्शन में यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर ने विद्यार्थियों में समाज सेवा, नेतृत्व, पर्यावरण संरक्षण, और स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति समर्पण की भावना जागृत की। इस शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल व्यक्तिगत विकास की दिशा में कदम बढ़ाए, बल्कि समुदाय के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए।